

ओ साईयाँ मेरे

(अँखे सँखे राहां 'चँ, कवाएँ मेरे मालका,
सदा हँक सँच दी, खवाएँ मेरे मालका ।
पिँढे पढताउटना पवे, पा के नीवीं जिस तँ,
केडी औसा कँम ना, कवाएँ मेरे मालका ॥)

ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे ।
ओ सतिगुरु मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे ।
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे ।

मेरे लिँख दे तुँ*, लेख वे लिखारीआ ।
रंग लेखं विँच*, भर दे ललारीआ ॥
ओ साईयाँ मेरे, मैं आवां दर तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,,F

किसे हेर मैं* लिखारी तँ लिखाणा नहीं ।
हे तेरा लिखियां तां*, किसे ने मिटाणा नहीं ॥
ओ साईयाँ मेरे, मैं आवां दर तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,,F

तुँ तां दिलां दीआं*, जाटे साईयाँ मेरिआ ।
हे चंगे मातुँ तुँ*, पढाटे साईयाँ मेरिआ ॥
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सेहटे सेहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,,F

अपलेडर- अनिलरामूरतीडेपाल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29038/title/oh-saiyan-mere>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद लें ।